भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 14 सितंबर, 2026
जारी करने का समय:1335 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे उत्तरी गुजरात के ऊपर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से, आज 14 सितंबर, 2026 को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश और गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
(ii) 19 सितंबर, 2026 के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के लौटने के लिए हालात अनुकूल हो रहे हैं।

आज, 14 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- हरियाणा, तेलंगाना और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- कोंकण, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, सौराष्ट्र, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, उत्तराखंड, तमिलनाडु, ओडिशा और असम में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- मानसून ट्रफ़ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है और पूर्वी सिरा औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में कल बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 14 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) दक्षिण-पूर्व राजस्थान और उससे सटे उत्तरी गुजरात के ऊपर स्थित था।
- दक्षिण-पूर्व राजस्थान और उससे सटे उत्तरी गुजरात में कम दबाव वाले क्षेत्र से जुड़ी चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) से एक ट्रफ़ निचले क्षोभमंडल स्तर में झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तरी छत्तीसगढ़ तक फैली हुई है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर में उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर में दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक एक ट्रफ़ फैली हुई है।
- मध्य क्षोभमंडल की पश्चिमी हवाओं (वेस्टर्लीज़) में एक ट्रफ़ के रूप में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) मौजूद है, जिसकी धुरी मध्य क्षोभमंडल स्तर पर लगभग 76°E देशांतर के साथ 31°N अक्षांश के उत्तर की ओर है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 14 सितंबर और 18-20 सितंबर के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 14-20 सितंबर के दौरान; उत्तराखंड में 15-20 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 14-15 सितंबर और 18-20 सितंबर के दौरान; पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14-18 सितंबर के दौरान; पूर्वी राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14-20 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 15-17 सितंबर के दौरान; उत्तराखंड में 14 सितंबर को काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।

- हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 16-17 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 16-17 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है; साथ ही 15 सितंबर को तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- पश्चिमी राजस्थान में 14-16 सितंबर के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 14-17 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- उत्तराखंड में 14-16 सितंबर के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 14-17 सितंबर के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14-15 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में 14 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 15 से 17 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब।

मध्य भारत:

- 14 सितंबर को छत्तीसगढ़ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 14-15 सितंबर के दौरान विदर्भ में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 15-20 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 14-20 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 16-20 सितंबर के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 14-18 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 14 सितंबर को विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 14 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 14 से 20 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 17 से 19 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 16 से 17 सितंबर के दौरान बिहार में; और 19 से 20 सितंबर के दौरान ओडिशा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 14 से 16 सितंबर और 20 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 14 से 20 सितंबर के दौरान झारखंड में; 14 से 15 सितंबर और 18 से 20 सितंबर के दौरान बिहार में; और 14 से 18 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 16 से 20 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 14 से 15 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा में; 14 सितंबर और 17 से 19 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 14 से 18 सितंबर के दौरान बिहार और झारखंड में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 16 से 20 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 14 से 15 सितंबर और 17 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 16 से 17 सितंबर के दौरान बिहार में; और 14 सितंबर तथा 18 से 20 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 16 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 14 सितंबर और 18-20 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; और 14-20 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 15-17 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।

- 14-16 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में; और 14-18 सितंबर के दौरान असम व मेघालय में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 15-18 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 14 से 16 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; और 14 से 15 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 17 से 20 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 14 से 20 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; और 16 से 20 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 14 से 15 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 14 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश; 14 से 15 सितंबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में भारी बारिश; और 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 14 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 14 से 20 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14 सितंबर और 17 से 20 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 15 से 19 सितंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 14 से 20 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 14 और 20 सितंबर को तेलंगाना में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 14 सितंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 14 से 19 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 14 से 16 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 15 से 17 सितंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 14 से 20 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14 से 16 सितंबर और 19 से 20 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 15 सितंबर को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 19 से 20 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 14 सितंबर और 18 से 19 सितंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- **अरब सागर:** 16 सितंबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर से सटे गुजरात के तटों के पास; 14 सितंबर को पूर्व-मध्य अरब सागर से सटे उत्तर महाराष्ट्र के तटों के पास और दक्षिण केरल के तटों के पास कोमोरिन इलाके के कुछ हिस्सों में; 19 सितंबर तक सोमालिया के तटों के पास और पश्चिम-मध्य अरब सागर से सटे दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में।
- **बंगाल की खाड़ी:** 15 से 19 सितंबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 16 से 19 सितंबर के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- तेलंगाना: कोंडापाक (सिद्दीपेट) 15
- हरियाणा: चंडीगढ़ 12
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: खिलचीपुर 12
- गुजरात क्षेत्र: सिलवासा (दादरा नगर हवेली) 11
- पूर्वी राजस्थान: लोहारिया (बांसवाड़ा) 11
- ओडिशा: फुलबनी 10
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: युकसोम 9
- तमिलनाडु: तिरुचिरापल्ली और अम्बालूर 9
- सौराष्ट्र: बरवाला (बोटाड) 9
- कोंकण: मुंबई (सांताक्रूज़) 9
- मध्य महाराष्ट्र: धडगांव/अक्करानी (नंदुरबार) 8
- उत्तराखंड: जौलीग्रांट 7
- असम: मार्गेरिटा 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	14- Sep	15- Sep	16- Sep	17- Sep	18- Sep	19- Sep	20- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक II

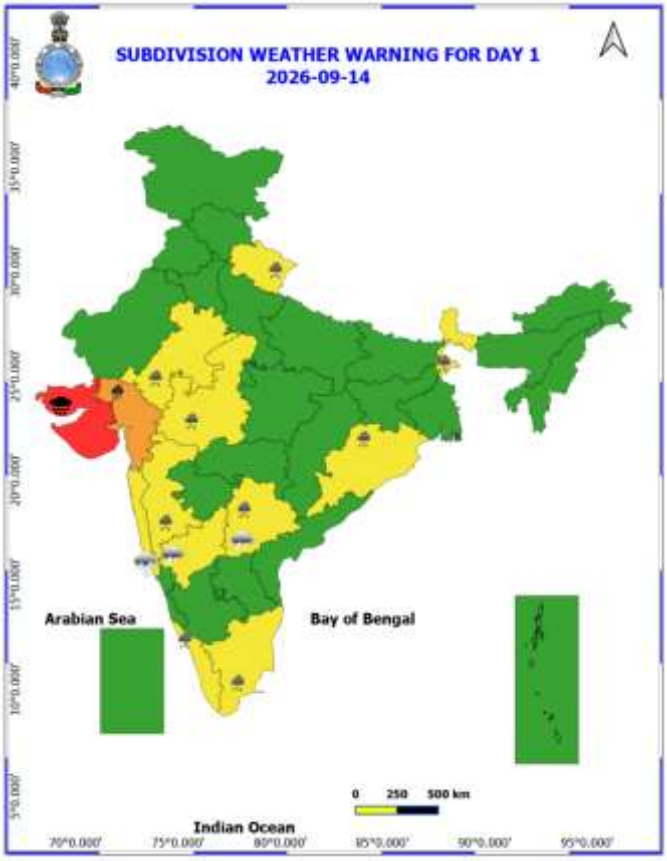
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-09-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

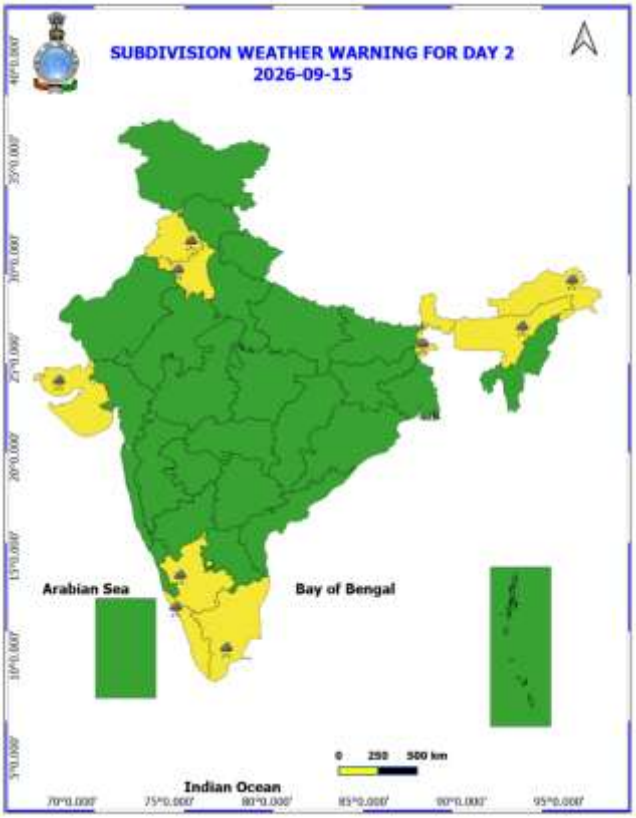
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-09-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

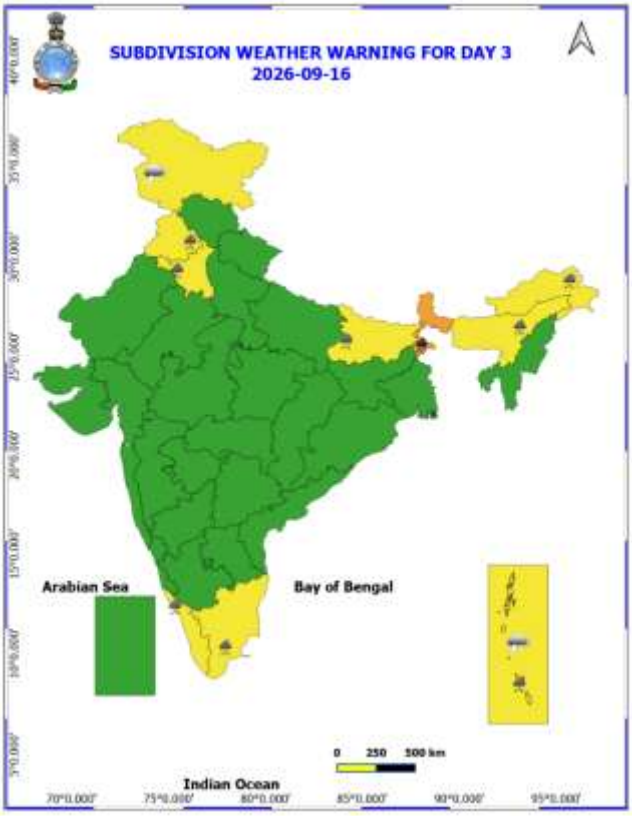
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-09-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

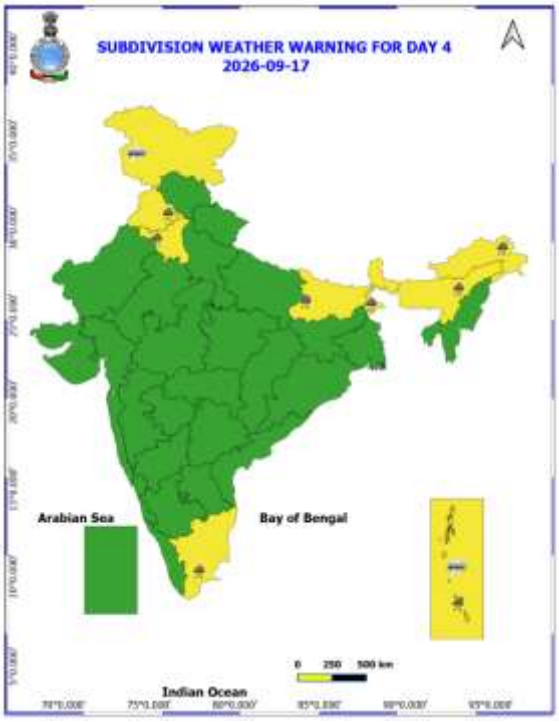

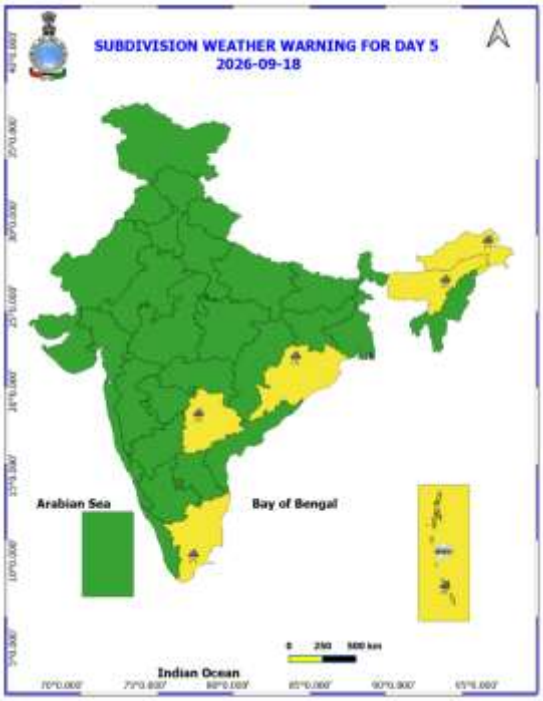

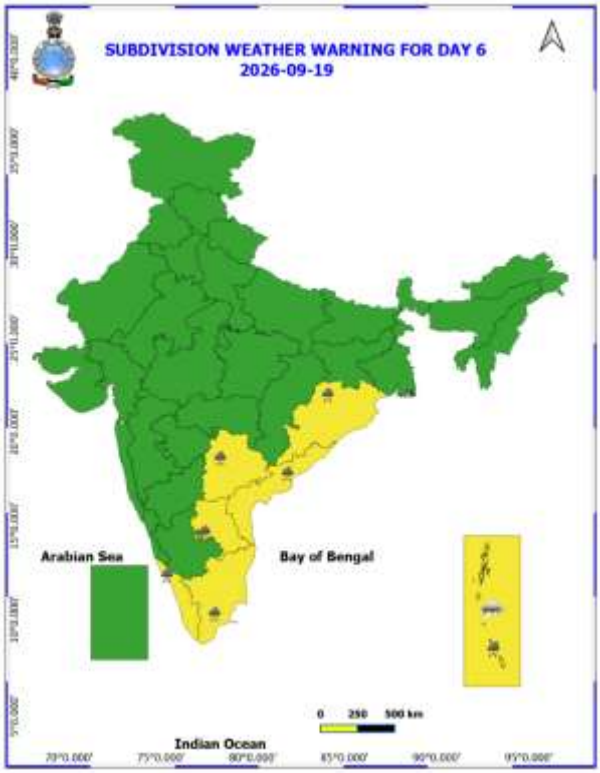

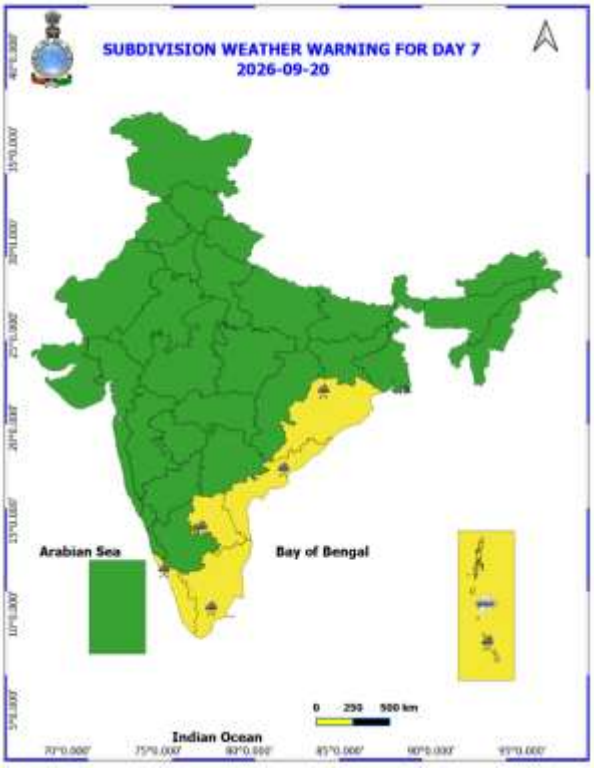

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

14 सितंबर से 17 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:
पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C और न्यूनतम तापमान 22-27°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C), कुछ अलग-थलग जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के ज़्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ़्तार से ज़मीनी हवाएँ चलीं। आज सुबह से दोपहर के बीच इस इलाके में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की रफ़्तार से ज़मीनी हवाएँ चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

14.09.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दोपहर से शाम के बीच कुछ अलग-थलग जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिन के समय कभी-कभी ज़मीनी हवाओं की रफ़्तार तेज़ (20-25 किमी/घंटा) हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज़्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। मुख्य रूप से ज़मीनी हवाएँ पूर्व दिशा से चलने की संभावना है और दोपहर के समय इनकी रफ़्तार 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय ज़मीनी हवाओं की रफ़्तार कम होकर पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक रह सकती है।

15.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ अलग-थलग जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पूर्वी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

16.09.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिणी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 12 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर उत्तर दिशा से 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

17.09.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में और 16 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 14 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- गुजरात में, गन्ना, कपास, धान, अरहर, अरंडी, ज्वार, मक्का और मूंगफली के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए लगातार और असरदार जल-निकासी की व्यवस्था करें। लंबे गन्ने को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सूखी पत्तियों या बांस की डंडियों से बांधें, और गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- सौराष्ट्र और कच्छ में, खड़ी खरीफ फसलों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल-निकासी का उचित इंतजाम करें और गीले मौसम में सिंचाई या खाद न डालें। मुख्य खरीफ फसलों में कीट और बीमारी के हमले पर नज़र रखें और पौधों की सुरक्षा के उपाय तभी करें जब बारिश न हो रही हो।
- कोंकण और गोवा में, धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों और बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें और जल-निकासी के रास्तों को साफ रखें। धान की फसल में बालियां निकलने/फूल आने के समय लंबे समय तक पानी जमा न होने दें और गीले मौसम में खेत के काम न करें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल-निकासी का उचित इंतजाम करें।
- मध्य महाराष्ट्र में, तैयार हो चुकी मूंग और उड़द की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। रागी, मूंगफली, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और पानी से भरे खेतों में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम और खाद या पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान की फसल में पानी का सुरक्षित स्तर बनाए रखें और धान व मूंग के खेतों में जल-निकासी के रास्तों को साफ रखें ताकि पानी जमा न हो। तेज बारिश से परवल और दूसरी नाजुक सब्जियों को बचाएं और लंबे समय तक नमी वाले मौसम में टमाटर, मिर्च, अदरक और कद्दू-वर्गीय सब्जियों में बीमारी की निगरानी करें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, मोटे अनाज, अदरक, हल्दी, सब्जियों, दालों और बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और जल-निकासी के रास्तों को साफ रखें। सब्जियों की नर्सरी को ढक दें, केले के नए पौधों के पास मिट्टी चढ़ाएं और सब्जियों को सहारा दें; बारिश रुकने और मिट्टी के काम करने लायक होने के बाद ही खेत के काम जारी रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, तैयार हो चुके ऊंचे इलाकों/झूम खेती वाले धान, सोयाबीन और सब्जियों की कटाई करें और उपज को तुरंत सुरक्षित, ढकी हुई जगहों पर पहुंचाएं। मोटे अनाज के खेतों में जल-निकासी बनाए रखें और तेज बारिश से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए खीरे और दूसरी बेल वाली सब्जियों के लिए मचान और सहारे को मजबूत करें।
- असम और मेघालय में, मक्का, उड़द, मूंग और तिल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और धान की फसल में पानी का उचित स्तर बनाए रखें। पपीता, केला और कमज़ोर तने वाली फसलों को सहारा दें; जहाँ संभव हो, बारिश से पहले कद्दू और लौकी की कटाई कर लें और धान, मक्का व सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
- हरियाणा में, खड़ी फसल और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम और खाद या कीटनाशक डालने का काम टाल दें।
- पंजाब में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम और खाद या कीटनाशक डालने का काम टाल दें। फूल और फल आने के समय कपास को लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाएं और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ बाजरे की पकी फसल की कटाई कर लें।
- जिन इलाकों में भारी बारिश की संभावना है, खासकर तमिलनाडु, केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, वहाँ फसलों, बागानों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और मिट्टी के चिपचिपे होने पर खेत में कोई काम न करें। तेज़ हवा और बारिश के दौरान केले के पौधों को गिरने या उनके तने (स्यूडोस्टेम) को टूटने से बचाने के लिए बांस का सहारा दें या उन्हें बांध दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्ज़ियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

15-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR): अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ: कच्छ, मोरबी, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ और राजकोट ज़िले। अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, मैप में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।	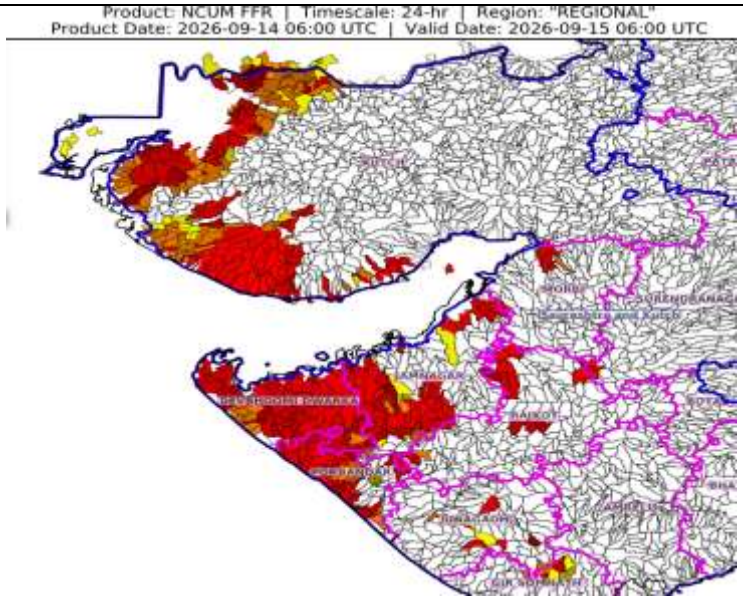	

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

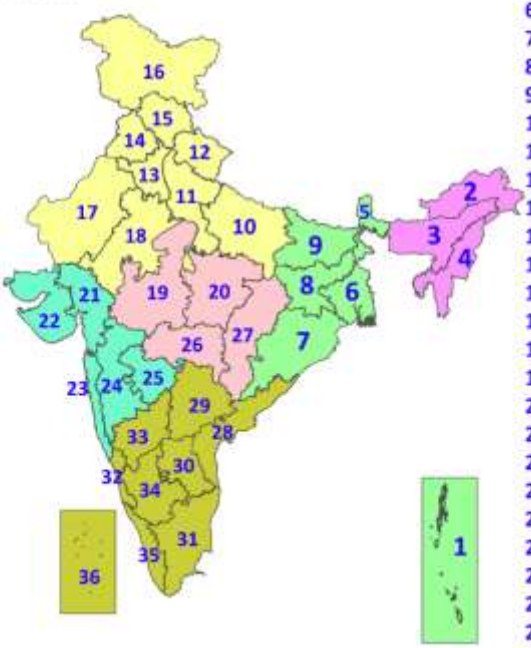

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)